OM-3 - 2021 FINAL FILE_Page 1 and 2 10/04/2021 2:26 PM Page 12

मूल्यों के प्रकाश से अज्ञान-अंधकार मिटा रहा संस्थान

ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा महाशिवरात्रि पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन

जम्मू-कटरा। महा शिव जयंती के अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ मेडिटेशन सेंटर,248 ए.,बी.सी. रोड,जम्मू तथा ब्रह्माकुमारीज़ कटरा सेवाकेन्द्र के संयुक्त तत्वाधान में जीत चौक पर आयोजित भव्य कार्यक्रम में राजिन्दर मेंगी,डी.डी.सी. काउंसलर, पंथल ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ एक ऐसी सुशिक्षित संस्था है जिसने मूल्यों के प्रकाश के माध्यम से दुनिया को अज्ञानता के अंधेरे से दूर करने में मदद की। उन्होंने कहा कि मूल्यों का व्यावहारिक अवतार बनना ही असली शिवरात्रि है। राजयोगिनी ब्र.कु. सुदर्शन दीदी,क्षेत्रीय निदेशिका ने कहा कि दुनिया का प्रारंभिक समय जिसे हम स्वर्ण युग कहते हैं, एक निर्विकारी दुनिया थी। उस युग में एक धर्म, एक राज्य, एक भाषा और एकता थी। और अब परमात्मा शिव इस धरा पर आकर पुनः उसी स्वर्णिम दुनिया की स्थापना कर रहे हैं। रतन सिंह मन्हास,रिटायर्ड हेड मास्टर,जनरल सेक्रेट्री,सीनियर सिटिज़न वेलफेयर फोरम,कटरा ने कहा कि यह संगठन जाति-धर्म की सीमाओं से परे है। इस विशाल संगठन का संचालन बहनों द्वारा होता है, जिसका कोई दूसरा उदाहरण कहीं और नहीं मिल सकता। शिव कुमार शर्मा,अध्यक्ष,जे. एंड के. इंडियन स्टाइल रेसलिंग एसोसिएशन ने कहा कि वे इस संगठन द्वारा दिए गए ज्ञान को खुद पर लागू करने का भरपूर प्रयास करेंगे। मुख्य अतिथि के रूप में निर्मला देवी,डी.डी.सी. पार्षद तथा राकेश भगत,रेलवे रोड कटरा उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर शिव ध्वजारोहण किया। ब्र.कु. रजनी,कटरा सेवाकेन्द्र संचालिका ने सभी का स्वागत किया। राजयोगी ब्र.कु. रविन्दर ने संस्थान का परिचय दिया। संचालन ब्र.कु. कुसुम लता ने व आभार ब्र.कु. शारदा ने किया।

आत्मा की सुंदरता ही सच्ची सुंदरता

पानीपत-हरियाणा। 85वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती पर ज्ञान मानसरोवर के दादी चंद्रमणि यूनिवर्सल पीस ऑडिटोरियम में आयोजित आध्यात्मिक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विश्व सुंदरी-(2019-20) डॉ. रागिनी,चीफ मेडिकल ऑफिसर, मेडिकल कॉलेज,खानपुर कलां ने कहा कि सच्ची सुंदरता तो आत्मा की है। जो कि मैंने ब्रह्माकुमारीज़ में आकर सीखा। यहाँ के जिन भी भाई-बहनों को देखती हूँ, हरेक का चेहरा खुशनुमा है। और सच्ची सुंदरता ही यही है। राजयोगी ब्र.कु. भारत भूषण ने कहा कि शिव परमात्मा को सच्चाई पसंद है, इसलिए सत्यम् शिवम् सुंदरम् कहा जाता है। हमें अपने मन को सच्चा एवं पवित्र बनाना है, यही हमारा इस शिवरात्रि पर शिव के प्रति सच्चा समर्पण है, तभी वह भोलानाथ हम पर प्रसन्न होगा। इस अवसर पर विजय भाई,करनाल ने अपने आध्यात्मिक गीतों के द्वारा कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। ब्र.कु. बिन्दु बहन,संचालिका,न्यू प्रकाश नगर,पानीपत ने शिवरात्रि का आध्यात्मिक रहस्य सुनाया। ब्र.कु. रानी बहन,संचालिका, सुखदेव नगर,पानीपत ने अपनी शुभकामनायें दीं। राजयोगिनी ब्र.कु. सरला दीदी,सर्कल इंचार्ज,पानीपत ने अपने आशीर्वचन दिये और राजयोग का अभ्यास कराया। मंच संचालन ब्र.कु. ज्योति बहन ने किया। इस मौके पर सभी ने मिलकर संस्थान की पूर्व मुख्य प्रशासिका दादी हृदयमोहिनी जी को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए शिव ध्वज लहराया।

'नारी' संस्कृति की पुनर्स्थापना हेतु

अम्बिकापुर-छ.ग.। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित 'संस्कृति की संरक्षक महिला' विषयक कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारीज़ सरगुजा संभाग की संचालिका ब्र.कु. विद्या दीदी ने कहा कि हमारी पुरातन पवित्र व दिव्य संस्कृति की पुनर्स्थापना के लिए सम्मान नहीं होगा, देश कभी आगे नहीं बढ़ सकता। ब्र.कु. प्रतिमा ने कहा कि मानव जाति के उत्थान के आधार पर संस्कृति का सृजन नारी ही कर सकती है क्योंकि इनमें सबको एक सूत्र में बांधने की शक्ति होती है। एम.डी. मेडिसिन डॉ. मंजू शर्मा ने कहा कि नारियों का जागरुक होना ही संस्कृति का संरक्षण कर सकता है। सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल के प्रिन्सीपल राम प्रसाद गुप्ता ने कहा कि नारी का नारी सम्मान करते हुए अपने बच्चों को भी इसके प्रति जागरुक करे। स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. मंजू एक्का ने कहा कि अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरुक होना भी नारी की एक ज़िम्मेवारी है। खुद स्वस्थ होंगे तभी परिवार को सम्भाल सकेंगे। बाणी मुखर्जी,वरिष्ठ परिवेक्षा व कल्याण अधिकारी,अम्बिकापुर,सेंट्रल जेल,छ.ग. ने कहा कि नारी को कमज़ोरियों के लिए शक्ति और मानवता के लिए वात्सल्य रूप धारण करना होगा। कार्यक्रम में शहर की दो सौ महिलायें उपस्थित रहीं।

इन बातों पर विशेष ज़ोर...

नारी ही कर सकती पुरातन संस्कृति की पुनर्स्थापना

अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरुक होना भी नारी की ज़िम्मेवारी

परमात्मा ने नारी पर ही अपना विश्वास जताया है क्योंकि नारी ही एक ऐसी शक्ति है जो समाज को दया, प्रेम, करुणा से भर सकती है। पूर्व परियोजना अधिकारी, मातृछाया अध्यक्ष वंदना दत्ता ने कहा कि यह एक ऐसी संस्था है जिसको महिला शक्ति के रूप में पहचाना जाता है। जब तक महिला का

नारी केवल जन्मदात्री ही नहीं, संस्कार निर्मात्री भी

ढिगावा मंडी-हरियाणा। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस और 85वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती पर आयोजित 'संस्कृति की संरक्षक-महिला' विषयक कार्यक्रम में प्रसिद्ध महिला चिकित्सक डॉ. चंचल धीर,भिवानी ने कहा कि एक महिला ही पीढ़ी दर पीढ़ी संस्कारों को पोषित करते हुए उन्हें अक्षुण्ण बनाये रखती है। नारी केवल जन्मदात्री ही नहीं, संस्कार निर्मात्री भी है। बहल व ढ़िगावा मंडी सेवाकेन्द्रों की संचालिका ब्र.कु. शकुंतला दीदी ने कहा कि वास्तव में महिला दिवस नारियों को नहीं, पुरुषों को सशक्त करने का दिन है। नारी तो कभी कमज़ोर थी ही नहीं, उसकी तो शेर पर

सवारी है। उसे अबला कहना या समझना मानसिक विकृति का परिचायक है। अभी नारी ने अपना आर्थिक व शैक्षणिक सशक्तिकरण किया है लेकिन जब वह आध्यात्मिक सशक्तिकरण करेगी तभी विश्व वंदनीय बनेगी, तभी फिर से भारत में वंदे मातरम का मंत्र गूंजेगा और भारत विश्व गुरू कहलायेगा। समाजसेवी व ठेकेदार महेन्द्र शर्मा ने कहा कि अब महिलायें जागरुक हो गयी हैं, उन्होंने गुलामी की बेड़ियां तोड़ दी हैं। यह शुभ संकेत हमें देखने को मिल रहा है। स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. पूनम बहन ने कहा कि महिलाओं को सदा आगे बढ़ने व सीखते रहने के द्वार खुले रखने होंगे, तभी 21वीं सदी का भारत स्वर्णिम भारत कहलायेगा। महिलायें अपने को शिव शक्ति समझें और कठिन परिस्थितियों में हिम्मत से काम लें। इसके साथ ही शिव जयंती के उपलक्ष्य में शिव ध्वजारोहण भी किया गया व नारी समानता की प्रतिज्ञा भी की।

स्वयं परमात्मा इस संस्थान द्वारा कर रहे संस्कार परिवर्तन

मुरसान-सादाबाद(उ.प्र.)। महाशिवरात्रि पर आयोजित कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारीज़ की सादाबाद तहसील संचालिका ब्र.कु. भावना बहन ने कहा कि महाशिवरात्रि पर्व हमें जीवन में आपसी सद्भाव और प्यार से रहने का संदेश देता है। हम सभी जानते हैं कि शिव की बारात में कैसे भिन्न मत-मतांतर वाले होते भी बड़ी एकता के साथ चलते हैं। तो हम भी यही दृढ़ संकल्प लें कि हम आपसी वैर-विरोध, नफरत, घृणा को छोड़कर सभी के साथ सद्भावना और प्रेमपूर्ण व्यवहार करेंगे। पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष गिर्राज किशोर शर्मा ने कहा कि दैवी सृष्टि बनाने के

लिए दैवी संस्कृति चाहिए। संस्कृति में संस्कारों को परिष्कृत किया जाता है और संस्कार परिवर्तन का कार्य ब्रह्माकुमारी संस्थान द्वारा स्वयं ज्ञान सागर निराकार परमात्मा शिव आकर कर रहे हैं। मुरसान कोतवाली प्रभारी शिव कुमार शर्मा ने कहा कि वर्तमान चुनौतियों का सामना करने के लिए जीवन में शक्ति की आवश्यकता है, और वह शक्ति हमें शिव से ही प्राप्त हो सकती है। मुरसान सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. बबिता ने कहा कि संसार को विकृति से बचाना है तो दैवी संस्कृति को अपनाना होगा। पूर्व चेयरमैन किरण शर्मा ने कहा कि हमारा मन अनंत और अपार शक्तियों का स्वामी है। जब हमारा मन उस सर्वशक्तिमान परमात्मा से जुड़ जाता है तो उसकी शक्तियां जागृत हो जाती हैं। इस अवसर पर 'शिव संदेश शोभा यात्रा' शहर में निकाली गई। मौके पर सब इंस्पेक्टर निशा रानी, डॉ. पंकज अग्रवाल, ब्र.कु. मिथलेश, रामगोपाल बघेल, रामबाबू गुप्ता सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

स्वयं की बुराइयों को भगवान शिव पर अर्पण करना ही सच्ची शिवरात्रि

जम्मू-रेसासी। महाशिवरात्रि पर आयोजित कार्यक्रम में डिप्टी कमिश्नर श्रीमति इन्दु कंवर चिब ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ एक महिलाओं द्वारा चलाई जा रही संस्था है। जहाँ आकर मैंने स्वयं शांति के प्रकम्पनों का अनुभव किया। ब्रह्माकुमारी संस्थान जो मूल्यों पर आधारित शिक्षा देता है वह आज के समय की आवश्यकता है। डी.डी.सी. चेयरमैन सराफ नाग ने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्थान समाज की निःस्वार्थ सेवा कर रहा है। हम भी अपने क्षेत्र के युवाओं को इस तरह की सेवा के लिए प्रेरित करेंगे व संस्था की किसी भी तरह की सेवा के लिए हम सदा तत्पर रहेंगे। क्षेत्रीय निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. सुदर्शन दीदी ने स्वयं, परमात्मा तथा सृष्टि चक्र का ज्ञान देते हुए कहा कि परमात्मा सत्य है और हमें अभी सत्य से जुड़कर मन को उसकी शक्तियों से भरपूर करना है, तभी हम दुनिया को बुराइयों से मुक्त कर सकेंगे। वास्तव में स्वयं की बुराइयों को भगवान शिव पर अर्पण करना ही सच्ची शिवरात्रि मनाना है। राजयोगी ब्र.कु. रविन्दर भाई ने कहा कि स्वयं की पहचान भूलने से ही इस दुनिया में बुराइयों की प्रवेशता हुई है। अभी हमें फिर से अपनी सत्य पहचान लेकर स्वयं को शक्तिशाली बनाना होगा। जब हम मानसिक रूप से शक्तिशाली बनेंगे तभी इस विश्व को भी शक्तिशाली बना सकेंगे। ब्र.कु. पल्लवी,स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ने सभी का स्वागत किया व संस्था का परिचय दिया। ब्र.कु. रोमल भाई ने सभी का धन्यवाद किया व ब्र.कु. कुसुम लता ने मंच संचालन किया। कार्यक्रम में ब्र.कु.रजनी, ब्र.कु.अंजू, ब्र.कु.सुषमा, ब्र.कु. सुरिंदर व ब्र.कु. रवि भी उपस्थित रहे।

RNI NO RAJHIN/2000/00721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/21-23, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2021-23, Posting on 12th TO 14th and 22nd TO 24th each month, published on 12th April, 2021
स्वामी - राजयोगा एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन, प्रकाशक एवं सम्पादक - गंगाधर नरसिंघानी, मुद्रक - डी.बी. कॉर्प.लि. द्वारा भास्कर प्रिन्टिंग प्रेस, डी.बी. कॉर्प.लि.,शिवदासपुरा, टोंक रोड,जयपुर से मुद्रित एवं ओम शान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज़,शांतिवन-राज. से प्रकाशित।
कार्यालय - ओम शान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज़, शांतिवन, आबू रोड(राज.)- 307510
See Latest News - www.omshantimedia.org